FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

FOR

M.A. (HINDI)

(Semester: I–IV)

Examinations: 2018–19

GURU NANAK DEV UNIVERSITY AMRITSAR

Note: (i) Copy rights are reserved.
Nobody is allowed to print it in any form.
Defaulters will be prosecuted.

(ii) Subject to change in the syllabi at any time.
Please visit the University website time to time.

.

M.A. (HINDI) (SEMESTER SYSTEM)

Scheme of Course

SEMESTER–I

प्रश्नपत्र–एक	आधुनिक हिन्दी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद
प्रश्नपत्र –दो	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–एक)
प्रश्नपत्र –तीन	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
प्रश्नपत्र –चार	प्रयोजनमूलक हिन्दी
प्रश्नपत्र –पाँच	वैकल्पिक अध्ययन
	विकल्प–एक, हिन्दी नाटकस ओर रंगमंच
	Or
	विकल्प दोः कोश विज्ञान
	Or
	विकल्प तीनः पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

SEMESTER–II

प्रश्नपत्र – छह	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काल
प्रश्नपत्र –सात	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड दो)
प्रश्नपत्र –आठ	पाश्चात्य–काव्यशास्त्र
प्रश्नपत्र –नौ	मीडिया – लेखन
प्रश्नपत्र –दस	वैकल्पिक अध्ययन
	विकल्प–एक : नाटककार मोहन राकेश
	Or
	विकल्प–दो : भारतीय साहित्य
	Or
	विकल्पः तीन (पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य)

SEMESTER–III

प्रश्न पत्र – ग्यारह	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य
प्रश्न पत्र – बारह	आधुनिक गद्य साहित्य
प्रश्न पत्र – तेरह	भाषा विज्ञान
प्रश्नपत्र – चौदह	पत्रकारिता प्रशिक्षण
प्रश्नपत्र – पन्द्रह	विकल्पः एकः सूरदास

OR

विकल्प–दो – हिन्दी कहानी

OR

विकल्प –तीनः साहित्यिक निबंध लेखन

SEMESTER–IV

प्रश्नपत्र – सोलह	मध्यकालीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र – सत्रह	आधुनिक गद्य साहित्य
प्रश्नपत्र – अठारह	हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि
प्रश्नपत्र – उन्नीस	राजभाषा प्रशिक्षण
प्रश्नपत्र – बीस	विकल्पः एक, उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की बाणी का विशेष अध्ययन

OR

विकल्पः दो, हिन्दी उपन्यास

OR

विकल्प–तीन–निबंधकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

M.A. (HINDI) (SEMESTER–I)

iz'ui=&,d

vk/kqfud fgUnh dkO; % f}osnh;qxhu ,oa Nk;kokn

le; % rhu ?k.Vs dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lsD'ku&,

0;k[;k

fu/kkZfjr dfo fu/kkZfjr ikB~; iqLrd %

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत, साहित्य सदन, झाँसी, 1988 (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसादः कामायनी, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1971 (श्रद्वा लज्जा और आनन्द सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राग विराग, सम्पादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1974 (राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार 1–2, जूही की कली, बांधो न नाव, कुकुरमुत्ता)

lsD'ku&ch

eSfFkyh'kj.k xqIr %

& नवजागरण और द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि गुप्त
– ‘साकेत’ का महाकाव्यत्व
– नवम सर्ग का काव्य–वैभव
– राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरण गुप्त
– मैथिलीशरण गुप्त का जीवन –दर्शन
– साकेतः सांस्कृतिक आधार और युगीन आदर्श
– उर्मिला का चरित्र चित्रण
– अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध का सामान्य परिचय

lsD'ku&lh

t;'kadj izlkn %

& छायावादी काव्यांदोलन और जयशंकर प्रसाद
– ‘कामायनी’ की अन्तर्वस्तु
– कामायनी : महाकाव्यत्व
– कामायनीः दार्शनिक पक्ष
– कामायनीः इतिहास और कल्पना
– ‘कामायनी’ की रूपक योजना
– कामायनी की भाषा–शैली
– रामधारी सिंह दिनकर का सामान्य परिचय

l D’ku&Mh

l ;dkr f=ikBh fujkyk %

- निराला की काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरण
- निराला का जीवन–दर्शन
- छायावादी कवि निराला
- प्रगतिवादी कवि निराला
- प्रयोगधर्मी कवि निराला
- निराला का काव्य–सौन्दर्य
- राम की शक्ति पूजाः कथ्य और शिल्प
- सरोज स्मृति : कथ्य और शिल्प

Lkgk;d iqLrd%

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. साकेत एक अध्ययन, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्तः एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली ।
5. मैथिलीशरण गुप्तः कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
6. साकेत सुधा, रामस्वरूप दुबे, नारायण बुक डिपो, कानपुर ।
7. प्रिय प्रवास और साकेत की आदर्शगत तुलना, श्री वल्लभ शर्मा, मंगल प्रकाशन, जयपुर।
8. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. मिथक और स्परूपः कामायनी की मनस्सौंदर्य सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ, ग्रंथम कानपुर ।
10. कामायनी : मूल्यांकन और मूल्यांकन, इंद्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।
11. कामायनीः एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
13. निराला की साहित्य साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. क्रांतिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, हिंदी प्रचारक, वाराणसी।
15. काव्य–पुरुष निराला, जयनाथ नलिन, आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–I)

i'ui=&nk

fgUnh lkfgR; dk bfrgkl ¼[k.M&,d½

le;% rhu ?k.Vs   dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

ikB~; fo"k;%

& साहित्येतिहास, लेखनः अर्थ एवं अभिप्राय

– हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ।

– हिन्दी साहित्य का इतिहासः काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।

– हिन्दी साहित्य का आरंभ कब

lD'ku&ch

& आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य

– हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।

lD'ku&lh

& पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य।

– प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।

– भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ।

– राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तेतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

lD'ku&Mh

& उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं, (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियां और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं। रीतिकालीन गद्य साहित्य।

lgk;d iqLrdsa%

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद् पटना ।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेणी माधव, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का अतीन, भाग–1,2,3 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास–(भाग 1 से 16), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हुकुमचंद राजपालः विकास पब्लिशिंग हाउस दिल्ली ।
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासः बच्चन सिंहः राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

i'ui=&rhu
Hkkjrh; dkO;'kkL= ,o lkfgR;ykpu

le;% rhu ?k.Vs   dy vd % 80

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

Hkkjrh; dkO;'kkL= %

काव्य : काव्य–लक्षण, काव्य तत्व तथा रस का स्वरूप के साथ रस के अंग काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।

lD'ku&ch

रस–सम्प्रदाय : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार–सम्प्रदायः परम्परा और मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

lD'ku&lh

ध्वनि–सम्प्रदायः ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।

रीति–सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, काव्य–गुण, रीति एवं शैली ।

वक्रोक्ति–सिद्धान्तः वक्रोक्ति की अवधारणा एवं मान्यताएं, वक्रोक्ति के भेद ।

lD'ku&Mh

औचित्य–सिद्धान्तः औचित्य से अभिप्राय, औचित्य का स्वरूप एवं भेद, प्रमुख स्थापनाएं, काव्य में औचित्य का स्थान एवं महत्व ।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां
शास्त्रीय, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, शैलीवैज्ञानिक और सामजशास्त्रीय।

lgk;d iLrd%

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्रः देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. आलोचक और आलोचनाः बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी समीक्षाः स्वरूप और संदर्भः रामदरश मिश्र, मैकमिलन कम्पनी, दिल्ली।
4. आधुनिक हिन्दी समीक्षा–प्रकीर्णक से पद्धति तक, यदुनाथ सिंह, आर्य प्रकाशन मण्डल, दिल्ली।
5. हिन्दी आलोचना का इतिहास, मक्खन लाल शर्मा, शब्द और शब्द प्रकाशन दिल्ली।
6. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त, सूर्य नारायण द्विवेदी, संजय बुक सैंटर, वाराणसी।
7. भारतीय साहित्य दर्शन, सत्यदेव चौधरी, साहित्य सदन, देहरादून।
8. भारतीय काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. रस सिद्धान्त की दार्शनिक एवं नैतिक व्याख्याएं,तारकनाथ बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–I)

i'ui=&pkj

i;ktueyd fgUnh

le;% rhu ?k.Vs   dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

ikB; fo"k; %

dkedkth fgUnh

– हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
– कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्यः प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
– पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्व, परिभाषिक शब्दावली–निर्माण के सिद्धान्त।
– ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की परिभाषिक शब्दावली निर्धारित क्षेत्रः बैक, रेलवे, कम्पयूटर और सामान्य प्रशासनिक शब्दावली (संलग्न)

lD'ku&ch

& हिन्दी कंपयूटिंगः कंप्यूटर की आधारभूत व्यावहारिक जानकारी ।
– कंप्यूटरः परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र
– इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र ।
– वेब पब्लिशिंग।

lD'ku&lh

– इंटर एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप, नेवीगेटर
– लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवियर, पैकेज।

lD'ku&Mh

परिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक–हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर। कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूप सम्बन्धी शब्दावली, पृ. 73–76 तक, कम्प्यूटर शब्दावली पृ. 144 से 147 तक ।

lgk;d iLrdsa

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी –विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, विद्या विहार, नई दिल्ली।
3. राजभाषा विविध, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. ज्ञान शिखा (प्रयोजनमूलक हिन्दी विशेषांक), संपा. डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन।
5. अनुवाद प्रक्रिया, डॉ. रीता रानी पालीवाल, साहित्य निधि, दिल्ली।
6. व्यावहारिक हिन्दी, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कम्प्यूटर और हिन्दी, डॉ. हरि मोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. संक्षेपण और विस्तारण कैलाशचन्द्र भाटिया, सुमन सिंह प्रभात प्रकाशनं, दिल्ली।
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वद्यिालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी, संरचना एवं अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. ओमप्रकाश सिंहल, जगतराम प्रकाशन, दिल्ली ।
13. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, भोलानाथ तिवारी/ओमप्रकाश गाबा, शब्द प्रकाशन, दिल्ली।
14. राजभाषा हिन्दी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. प्रशासनिक कार्यालय की हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश/डॉ. दिनेश कुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
16. व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
18. हिन्दी की मानक वर्तनी, कैलाश चन्द्र भाटिया, रचना भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंगः सिद्धान्त और तकनीक, राजीव, राजेन्द्र कुमार, साहित्य मंदिर, दिल्ली।
20. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–I)

i'ui=&ikp
odfYid v/;;u
fodYi&,d] fgUnh ukVd vkj jxep

le;% rhu ?k.V — dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

O;k[;k ,o v/;;u d fy, fu/kkfjr iLrd

1. अंधेर नगरीः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. ध्रुवस्वामिनीः जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी।
3. एक सत्य हरिश्चन्द्रः लक्ष्मी नारायण लाल, राजपाल एंड संस।

lD'ku&ch

Hkkjrun dk jxep% lkeF;l vkj lhek,

ikjlh jxep] iFoh fFk;Vj] uDdM ukVd] jfM;k ukVd

- भारतेन्दु की नाट्य चेतना
  अंधेर नगरी का मुख्य संदर्भ
  अंधेर नगरी में भारतेन्दु युगीन विसंगतियो की अभिव्यक्ति
  अंधेर नगरी में यथार्थ बोध
  अंधेर नगरी में व्यंग्य भाषा, शैली
  अंधेर नगरी का नाट्य शिल्पः प्रतीक।

lD'ku&lh

fgUnh ukVd d fodkl d fofHkUu pj.k

- जयशंकर प्रसादः नाटय यात्रा में ध्रुवस्वामिनी का महत्वांकन
  ध्रुवस्वामिनीः इतिहास और कल्पना का योग
  ध्रुवस्वामिनीः राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना।
  ध्रुवस्वामिनीः रंगमंचीयता
  ध्रुवस्वामिनीः पात्र परिकल्पना, गीत–योजना, भाषा–शैली
  ध्रुवस्वामिनीः ध्रुवस्वामिनी का प्रबन्धकीय एवं राजनैतिक कौशल

lD'ku&Mh

- y{ehukjk;.k yky% ukV~;;k=k e: ^,d lR; gfj'pUn*dk egRokdu
  एक सत्य हरिश्चन्दः शीर्षक की सार्थकता एवं प्रांसगिकता
  एक सत्य हरिश्चन्द्रः समस्या चित्रण
  एक सत्य हरिश्चन्द्र : अभिनेयता
  एक सत्य हरिश्चन्द्र : पात्र परिकल्पना
  एक सत्य हरिश्चन्द्रः गीत योजना, भाषा–शैली

lgk;d iLrd%

1. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ. अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर ।
2. पारसी हिन्दी रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना, सत्येन्द्र तनेजा, भारतीय भाषा प्रकाशन, दिल्ली ।
5. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन, सिद्धनाथ कुमार, ग्रंथथम्, कानपुर।
6. लक्ष्मीनारायण लाल के नाटक और रंगमंच, दयाशंकर, पीताम्बर पब्लिशिंग, दिल्ली।
7. लक्ष्मी नारायण लाल, रघुवंश, दिल्लीः लिपि प्रकाशन ।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–I)

i'ui=&ikp % oSdfYid v/;;u
fodYi nks% dks'k foKku

le;% rhu ?k.Vs | dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lsD'ku&,

ikB~; fo"k;%

– कोश, परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंतः सम्बन्ध।

lsD'ku&ch

– कोश के भेद–समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्तिकोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश, बोलीकोश।

lsD'ku&lh

– कोश–निर्माण की प्रक्रियाः सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ, पर्याय, व्याख्या, चित्र प्रयोग, उप–प्रविष्टियां, संक्षिप्तियां, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ।
– रूप अर्थ संबंधः अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्यवन्यात्कता, विलोमता।

lsD'ku&Mh

– कोश–निर्माण की समस्याएंः समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओं का कोश–निर्माण।
– कोशविज्ञान और विषयों का संबंधः कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध।

lgk;d iqLrdsa%

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, कोश और उसके प्रकार, दिल्लीः साहित्य सहकार।
2. डॉ. कामेश्वर शर्मा, हिन्दी की समस्याएं, पटनाः नोवेल्टी एण्ड कम्पनी।
3. कोश विज्ञान, प्रकाशन केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
4. डॉ. हेमचन्द्र जोशी, हिन्दी के कोश और कोशशास्त्र के सिद्धान्त–राजर्षि अभिनन्दन ग्रंथ, दिल्लीः प्रथम संस्करण।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–I)

i’ui=&ikp % oSdfYid v/;;u
fodYi rhu% iatkc dk e/;dkyhu fgUnh lkfgR;

le;% rhu ?k.Vs | dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

v/;;u ds fy, fu/kkZfjr ifj{ks= %
पंजाब के हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि, परम्परा, इतिहास और काल विभाजन–नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य तथा लौकिक साहित्य

lD'ku&ch

xq:eq[kh fyfi esa miyC/k iatkc dk HkfDr fgUnh lkfgR;A
गुरु काव्य–धारा
राम काव्य–धारा
कृष्ण काव्य–धारा
सूफी काव्य–धारा
गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन हिन्दी गद्य

lD'ku&lh

x#eq[kh fyfi esa miyC/k njckjh&dko;
पटियाला दरबार
संगरूर दरबार
कपूरथला दरबार
नाभा दरबार
गुरु गोबिन्द सिंह का विद्या दरबार

lD'ku&Mh

tUelk[kh lkfgR; ¼ijkru tUelk[kh ds lanHkZ esa½
Vhdk,¡ ¼vkuan?ku ds lanHkZ esa½
vuqokn ,oa Hkk"; ¼xhrk ds lanHkZ esa½

lgk;d iqLrdsa %

1. पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविन्द्र कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली।
2. पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, चन्द्रकान्त बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, डॉ. हरिभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
4. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरु गोबिन्द सिंह के दरबारी कवि, डॉ. भारत भूषण चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र।
6. पंजाब हिन्दी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह, 'अशोक' अशोक मुस्तकालय, पटियाला ।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–II)

i'ui= & Ng
vk/kfud fgUnh dkO; % Nk;koknkÙkj dky

le; % rhu ?k.V   dy vd % 80

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

O;k[;k d fy, fu/kkfjr dfo

1. स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली 1993 (असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, औद्योगिक बस्ती, आँगन के पार, कितनी नावों में कितनी बार, नदी के द्वीप।
2. ग.मा. मुक्तिबोधः चाँद का मुँह टेढा है, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1964 (अंधेरे में)
3. धूमिलः संसद से सड़क तक
   (मोची राम, भाषा की एक रात, पटकथा)

lD'ku&ch

l-gh- okRL;k;u ^vK;* dk lkekU; ifjp;

– छायावादोत्तर काव्यांदोलन और अज्ञेय
– अज्ञेय की जीवन दृष्टि
– प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
– अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषातएँ
– अज्ञेय की कविता का शिल्प–सौन्दर्य
– असाध्य वीणाः प्रतिपाद्य और शिल्प

lD'ku&lh

x-ek- efDrck/k

– मुक्तिबोधः कवि और उनकी काव्य रचनाएं
– प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध
– फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध
– 'अंधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प
– मुक्तिबोध की कविता का भावजगत और उनका काव्य शिल्प
– श्री नरेश मेहता का सामान्य परिचय

lD'ku&Mh

/kfey

- जनवादी चेतना के कवि धूमिल
- साठोत्तरी हिन्दी कविता और धूमिल
- धूमिल की कविता में मानव–मूल्य
- धूमिल की कविताः आज के व्यक्ति का बिम्ब
- धूमिल की कविताः भाषा–शिल्प
- भारतभूषण अग्रवाल का सामान्य परिचय

lgk;d iqLrdsa

1. धूमिल और उसका काव्य संघर्ष, डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. धूमिलः काव्य–यात्रा, मंजु अग्रवाल, ग्रन्थम, कानपुर।
3. समकालीन कविता और धूमिल, डॉ. मंजुल उपाध्याय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. नयी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर, डॉ. सन्तोष कुमार तिवारी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा ।
5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरुप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. अज्ञेय कवि, ओम प्रकाश अवस्थी, ग्रंथम, कानपुर।
7. अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. अज्ञेय की कविता–एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादिवडेकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
10. मुक्तिबोधः प्रतिबद्ध कला के प्रतीक, चंचल चौहान, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।
11. गजानन माधव मुक्तिबोधः जीवन और काव्य, महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली ।
12. मुक्तिबोधः विचारक कवि और कथाकार, सुरेन्द्र प्रताप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. मुक्तिबोध की काव्यचेतना, हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदनाः नंद किशोर नवल, राज किशोर प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंद किशोर आचार्य, वाग्यदेवी प्रकाशन, बीकानेर।
16. वाक्–संदर्श, हरमोहन लाल सूद, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली।
17. धूमिल और उसका काव्य–संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद।
18- श्री नरेश मेहता, दृश्य और दृष्टि, संपा. प्रमोद त्रिवेदी, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।

iz'ui=&lkr
fgUnh lkfgR; dk bfrgkl ¼[k.M nks½

le;% rhu ?k.Vs   dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lsD'ku&,

v/;;u ds fy, fu/kkZfjr ifj{ks= %

– आधुनिककाल की सामाजिक, राजनीतिक, अर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण।
– भारतेन्दु युगः प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

lsD'ku&ch

– द्विवेदी युगः प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
– हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास–छायावादी काव्यः प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

lsD'ku&lh

– उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, और साहित्यिक विशेषताएं।

lsD'ku&Mh

– हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास।
– हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

lgk;d iqLrdsa%

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद् पटना।
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास–(भाग 1 से 16), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासः बच्चन सिंहः राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. भारतेन्दु मण्डल के समानान्तर और अपूरक मुरादाबाद मण्डल, हरमोहन लाल सूद, वाणी प्रकाशन दिल्ली ।

iz'ui=&vkB
ik'pkR;&dkO;'kkL=

le; % rhu ?k.Vs   dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lsD'ku&,

v/;;u ds fy, fu/kkZfjr ifj{ks= %

पाश्चात्य आलोचना का इतिहास : संक्षिप्त परिचयात्मक इतिहास

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त , प्रत्ययवाद।

lsD'ku&ch

अरस्तू : अनुकरण–सिद्धान्त, त्रासदी–विवेचन , विरेचन सिद्धान्त।

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा और स्वरुप।

lsD'ku&lh

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरुपगत प्रकार्य।

आई.ए.रिचर्ड्स : संवेगों का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना , काव्यभाशा।

lsD'ku&Mh

इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की अवधारणा।

सिद्धान्त और वाद : स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद् माकर्सवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद और आधुनिकतावाद।

व्यावहारिक समीक्षा : परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र में पूछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।

lgk;d iqLrdsa%

1. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धान्तः मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्रः देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. आलोचक और आलोचनाः बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. नई समीक्षा के प्रतिमान, सं. निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, सम्पा, नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
6. पाश्चात्य और पौरस्त तुलनात्मक काव्यशास्त्र, राममूर्ति त्रिपाठी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
7. पाश्चात्य समीक्षाः सिद्धान्त और वाद, डॉ. सत्यदेव मिश्र ।

i'ui=&uk
ehfM;k & ys[ku

le;% rhu ?k.Vs dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

ehfM;k & ys[ku %

– दूर संचारः प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां

– विभिन्न जनसंचार माध्यमो का स्वरुपः मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।

पारिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक–हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर।

विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली पृ. 222 से 226 तक।

lD'ku&ch

– श्रव्य माध्यम (रेडियो)

– श्रव्य–दृश्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो) विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

– दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति ।

lD'ku&lh

दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य। पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर)। पटकथा लेखन। टेली ड्रामा/डॉक्यू ड्रामा, संवाद–लेखन।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रुपांतरण। विज्ञापन की भाषा।

lD'ku&Mh

– श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार वाचन एवं लेखन। रेडियो नाटक। उद्घोषणा लेखन, । विज्ञापन लेखन। फीचर तथा रिपोर्ताज।

lgk;d iqLrdsa %

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी, चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
2. भारतीय प्रसारण माध्यम – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, मंगदीप प्रकाशन, जयपुर।
3. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक–हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

i'ui=&nl odfYid v/;;u
fodYi&,d % ukVddkj eksgu jkds'k

le;% rhu ?k.V | dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD'ku&,

0;k[;k dk fy, fu/kkZfjr ukVd %

1. आषाढ़ का एक दिनः राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1958
2. लहरों के राजहंसः राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
3. आधे अधूरेः राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

lD'ku&ch

नाटक : विधागत वैशिष्ट्य, तत्व तथा प्रकार
मोहन राकेशः व्यक्ति और नाटककार
'आषाढ का एक दिन' : मोहन राकेश
आषाढ का एक दिन का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
आषाढ का एक दिन का प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएं
कालिदास का अन्तर्द्वन्द्व, पात्र–परियोजना, भाषा–शैली
आषाढ़ का एक दिनः नाम की सार्थकता
आषाढ़ का एक दिनः रगमंचीय सार्थकता

lD'ku&lh

मोहन राकेश की नाट्य–सृष्टि एवं नाट्य प्रयोग
मोहन राकेश रंगमंच के प्रबल समर्थ नाटककार
'लहरों के राजहंस': मोहन राकेश
लहरों के राजहंस का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
लहरों के राजहंसः प्रतिपाद्य एवं मुख्य समस्याएं
लहरों के राजहंसः विचारधारा औरकथ्य–चेतना
लहरों के राजहंसः नाम की सार्थकता
लहरों के राजहंसः रंगमंचीयता।

lD'ku&Mh

मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य–चेतना
मोहन राकेश की नाट्यभाषा को योगदान
'आधे–अधूरे': मोहन राकेश
आधे–अधूरे का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
आधे–अधूरेः समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज
आधे–अधूरेः विचारधारा, भाषा तथा कथ्य चेतना
आधे–अधूरे : नाम सार्थकता
आधे–अधूरेः रंगमंचीयता एक नवीन नाट्य–प्रयोग

lgk;d iqLrdsa%

1. मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. मोहन राकेश की रंग–सृष्टि, डॉ. जगदीश शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, वाराणसी।
3. नाटककार मोहन राकेश, डॉ. तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
4. आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
5. आधे–अधूरेः समीक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, आशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य में प्रतीक नाटक, डॉ. रामनारायण लाल, आशा प्रकाशन, कानपुर ।
7. मोहन राकेश, व्यक्तित्व तथा कृतित्व, डॉ. सुषमा अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी रंगमंच वार्षिकी, डॉ. शरद नागर, रंगभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. मोहन राकेश के नाटकों में मिथक और यथार्थ, डॉ.अनुपमा शर्मा, नचिकेता प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली ।
11. मोहन राकेश के नाटक, द्विजराय यादव, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
12. लहरों के राजहंसः विविध आयाम, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13. आषाढ़ का एक दिनः वस्तु और शिल्प, विश्वप्रकाश बटुक दीक्षित, राजपाल पब्लिशर्ज़, दिल्ली।
14. रंग शिल्पीः मोहन राकेश, नरनारायण राय, कादम्बरी , दिल्ली।
15. रंगमंच की भूमिका और हिन्दी नाटककार, रघुवरदयाल वार्ष्णेय, साहित्यलोक, कानपुर ।
16. नाटककार मोहन राकेश : संवाद शिल्प, मदल लाल, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली।
17. मोहन राकेश की कृतियों में स्त्री–पुरुष सम्बन्ध, मिथिलेश गुप्ता, कृष्णा ब्रदर्स, दिल्ली ।
18. साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का रंग–मंचीय अध्ययन, राकेश वत्स, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।

M.A. (HINDI) (SEMESTER–II)

i’ui=&nl odfYid v/;;u
fodYi&nk % Hkkjrh; lkfgR;

le;% rhu ?k.V dy vd % 80

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lD’ku&,

अध्ययन एवं व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां :
वर्षा की सुबह (उड़िया–काव्य–संग्रह) सीताकांत महापात्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताएँ :
आकाश, वर्षा की सुबह, नारी वस्त्र–हरण, आधी रात, शब्द से दो बातें, समुद्र की भूल, अकेले–अकेले, जाड़े की सांझ, समुद्र तट, लट्टू डरता है मौत से वह आदमी, चूल्हे की आग।
अग्निनगर्भ (बंगला उपन्यास) महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979
घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक) विजय तेन्दुलकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1974

lD’ku&ch

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :
कवि सीताकांत महापात्र का सामान्य परिचय एवं जीवन–दर्शन, वर्षा की सुबहः काव्य सौन्दर्य (साहित्यिक) वर्षा की सुबहःः प्रकृति चित्रण, वर्षा की सुबहः मानवीय सम्बन्ध और मूल्य–चेतना ।
भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरुप
हिन्दी और उड़िया कविता का तुलनात्मक अध्यन।

lD’ku&lh

महाश्वेता देवी का सामान्य परिचयः औपन्यासिक यात्रा के संदर्भ में, महश्वेता देवी का वैचारिक दृष्टिकोण, अग्निगर्भ उपन्यास का वैशिष्ट्य, मूल प्रतिपाद्य, पात्र तथा चरित्र–चित्रण, अग्निगर्भ उपन्यास में बंगाल का आदिवासी जीवन एवं बंगाली संस्कृति।
हिन्दी और बंगला उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन।

lD'ku&Mh

विजय तेंदुलकर की नाट्य यात्रा एवं घासीराम कोतवाल का वैशिष्ट्य, घासीराम कोतवाल नाटक की समीक्षा, प्रतिपाद्य एवं प्रमुख समस्याएं, घासीराम कोतवाल नाटक में लोक परम्परा का प्रवाह, घासीराम कोतवाल नाटक में रंगमंचीयता, घासीराम कोतवाल नाटक में मराठी का समसामयिक जीवन एवं मराठी संस्कृति, भारतीय नाटक के संदर्भ में घासीराम कोतवाल।

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
हिन्दी और मराठी नाटक का तुलनात्मक अध्ययन।

lgk;d iLrdsa %

1. बंगला साहित्य का इतिहास, प्रकाशकः भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, कार्यान्वयन समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं, राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्येतिहास–दर्शन की भूमिका डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
6. भारतीय साहित्येतिहासलेखन की समस्याएं, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
7. आज का भारतीय साहित्य, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
8. भारतीय साहित्य, संपादक डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, डॉ. प्रामिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।

i`'ui=&nl o`dkfYid v/;;u
fodYi% rhu ¼iatkc dk vk/kqfud fgUnh lkfgR;½

le;% rhu ?k.Vs　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　dqy vad % 80

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

lsD'ku&,

v/;;u ds fy, fu/kkZfjr ifj{ks=
ikB~; fo"k;%
पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि
पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य के मुख्य हस्ताक्षर :

1. पं0 श्रद्धाराम फिल्लौरी
2. सुदर्शन
3. उपेन्द्रनाथ अश्क
4. भीष्म साहनी
5. कुमार विकल

lsD'ku&ch

पंजाब का उपन्यास साहित्य में योगदान
पंजाब का कहानी साहित्य में योगदान
पंजाब का नाटक साहित्य में योगदान

lsD'ku&lh

पंजाब का कविता में योगदान
पंजाब का निबंध साहित्य में योगदान
पंजाब का आलोचना में योगदान,

lsD'ku&Mh

पंजाब का पत्रकारिता में योगदान
पंजाब के स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी साहित्य का योगदान
पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्यः उपलब्धि और सीमा

lgk;d iqLrdsa%

1. पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविन्द्र कौर ,मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली।
2. पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, चन्द्रकान्त बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, डॉ. हरिभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
4. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरु गोबिन्द सिंह के दरबारी कवि, डॉ. भारत भूषण चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र।
6. पंजाब हिन्दी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह, 'अशोक', अशोक पुस्तकालय, पटियाला ।

एम.ए. हिन्दी समस्तर तीन
प्रश्न पत्र - ग्यारह
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

समय : तीन घण्टे **कुल अंक : 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंको की है। द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवियों से संबंधित प्रश्न इसी भाग में पूछे जाएगें।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

परीक्षक कृपया इस बात का ध्यान रखें कि व्याख्या अथवा प्रश्न पूछते समय कोई भी कवि एवं कृति ना छूटे।

16x2=32

पाठ्य विषयः

निर्धारित पाठ्य पुस्तक 'काव्यमंजूषा' सं. प्रो. सुधा जितेन्द्र, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली , 2014

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित तीन कविः

1. अमीर खुसरो
2. कबीर
3. जायसी

द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित निर्धारित कवियों पर केवल सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

- गोरखनाथ , रविदास ।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्रः

1. अमीर खुसरो और उनका काव्यः परिचय तथा विशेषताएं

   हिन्दी के आदि कवि : अमीर खुसरो

   अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना

   अमीर खुसरो की भाषा

2. कबीर और उनका काव्यः परिचय तथा विशेषताएं

   कबीर काव्य का दार्शनिक पक्ष

   क्रांतिकारी कवि कबीर।

   कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण

   कबीर का रहस्यवाद

   कबीर काव्य का कलात्मक पक्ष

   कबीर की भक्ति भावना

3. जायसी और उनका काव्यः परिचय और विशेषताएं

   सूफी काव्य-परम्परा में जायसी का स्थान

   जायसी की प्रबंध योजना, पद्मावत का महाकाव्यत्व

   जायसी के काव्य में विरह वर्णनः नागमती का विशेष संदर्भ

   जायसी के काव्य में प्रेमाभिव्यंजना व रहस्यवाद

   जायसी के काव्य में लोकसंस्कृति

   पद्मावत का काव्य-सौष्ठव

सहायक पुस्तकें

1. **आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास,** नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. **गोपीचंद नारंग, अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।**
3. राम निवास चंडक कबीरः जीवन और दर्शन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. परशुराम चतुर्वेदी, कबीर साहित्य चिंतन, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. नज़ीर मुहम्मद, कबीर के काव्य रुप, भारत प्रकाशन, अलीगढ़।
6. रघुवंश, कबीर एक नई दृष्टि, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. रामकुमार वर्मा, कबीर एक अनुशीलन, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
8. मनमोहन गौतम, पद्मावत का काव्य वैभव, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली।
9. रामपूजन तिवारी, जायसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10. रामपूजन तिवारी, जायसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. शिव सहाय पाठक, हिंदी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. जयदेव, सूफी महाकवि जायसी, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
13. डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कालजयी कबीर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।

एम.ए. हिन्दी समस्तर तीन
प्रश्न पत्र - बारह
आधुनिक गद्य साहित्य

समय : तीन घण्टे **कुल अंक : 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंको की है। द्रुत पाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों से संबंधित प्रश्न इसी भाग में पूछे जाएगें।

8x6=48

ख) द्रुतपाठ हेतु निर्धारित साहित्यकार पर अधिकाधिक केवल दो सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

ग) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

परीक्षक कृपया इस बात का ध्यान रखें कि व्याख्या अथवा प्रश्न पूछते समय कोई भी रचनाकार एवं रचना ना छूटे।

16x2=32

पाठ्य विषयः

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियां :

1. गोदान; प्रेमचंद, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. एक दुनिया समानांतर; राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
3. अतीत के चलचित्र, महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली में से केवल पहले दस संस्मरण ही रखे गए हैं।

द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित निर्धारित साहित्यकारों पर सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे -

उपन्यासकार - भीष्म साहनी , कहानीकार - अज्ञेय

रेखाचित्रकार - शिवपूजन सहाय

1. उपन्यास : गोदानः मुंशी प्रेमचंद, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

अध्ययन के निर्धारित परिक्षेत्रः

विधागत वैशिष्ट्य, विकास यात्रा, हिन्दी उपन्यास और प्रेमचंद, गोदानः कृषक जीवन की त्रासदी, आदर्श-यथार्थ, जीवन दर्शन, प्रगतिशील विचारधारा, महाकाव्यात्मक उपन्यास, कथा शिल्प, पात्र, भाषा एवं समस्याएं।

2. एक दुनिया समानान्तरः सम्पादक राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

अध्ययन के लिए निर्धारित कहानियां :

बादलों के घेरे, खोयी हुई दिशाएं, शबरी, चीफ की दावत, यही सच है, एक और जिन्दगी, टूटना, नन्हों, भोलाराम की जीव।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्रः

हिन्दी कहानीः उद्‌भव और विकास

कहानी के प्रमुख आन्दोलन

समकालीन कहानी की विशेषताएं

किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धित प्रश्न

किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धित प्रश्न

संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं।

3. अतीत के चलचित्रः महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

- रेखाचित्र - स्वरूप, तत्त्व तथा प्रकार
- अतीत के चलचित्र के आधार पर महादेवी के गद्यकार रूप का विवेचन
- किसी एक रेखाचित्र के कथ्य पर केन्द्रित प्रश्न
- किसी एक रेखाचित्र के शिल्प पर केन्द्रित प्रश्न
- रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर 'अतीत के चलचित्र का समग्र मूल्यांकन

सहायक पुस्तकें :

1. डॉ. लाल चंद गुप्त 'मंगल', अस्तित्ववाद और नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली।
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली।
4. हिन्दी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, प्रकाशक गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. प्रेमचंदः कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. प्रेमचंदः हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा।

प्रश्न पत्र – तेरह
भाषा विज्ञान

समय : तीन घण्टे **कुल अंक : 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग लघुप्रश्नों का है। इस भाग में बारह प्रश्न होंगे जिनमें से निर्देशानुसार आठ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

ikB; fo"k;%

Hkk"kk vkj Hkk"kk foKku%

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा की विभिन्न इकाइयां, भाषा के विविध रुप, भाषा परिवर्तन के कारण,

भाषा का पारिवारिक और आकृतिमूलक वर्गीकरण। भाषा विज्ञानः परिभाषा एवं स्वरुप, अध्ययन

की दिशाएं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

ध्वनि–विज्ञानः ध्वनि, ग्रिमनियम, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनियों के वर्गीकरण के आधार ।

व्याकरणः रुप एवं रुपिम की अवधारणा, रुपिम के भेदः मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रुपिम के प्रकार्य, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं। वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ–अवयव

विश्लेषण।

र्थ–विज्ञानः अर्थ की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं।

आधुनिक भाषा विज्ञानः आधुनिक भाषा विज्ञान की प्रमुख प्रवृत्तियां, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख व्याकरणः व्यवस्थापरक व्याकरण, रुपान्तरण प्रजनक व्याकरण, समाज भाषा विज्ञान, शैलीविज्ञान।

lgk;d iLrd

1. डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. भोलानाथ तिवारी, आधुनिक भाषाविज्ञान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
3. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा की संरचनाः वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4. दिलीप सिंह, व्यावसायिक हिन्दी, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
5. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा का इतिहास, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
6. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा की शब्द संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
7. कृपाशंकर और चतुर्भुज सहाय, आधुनिक भाषाविज्ञान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. भोलानाथ तिवारी, भाषा–विज्ञान कोश, ज्ञानमण्डल, वाराणसी।
9. डॉ. देवी शंकर द्विवेदी, भाषिकी, प्रशान्त प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।
10. डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा।
11. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. भोलानाथ तिवारी और डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, आलोक प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्नपत्र - चौदह
पत्रकारिता प्रशिक्षण

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग लघुप्रश्नों का है। इस भाग में बारह प्रश्न होंगे जिनमें से निर्देशानुसार आठ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

पाठ्य विषयः

- पत्रकारिता का स्वरुप और प्रमुख प्रकार ।
- हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।
- समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व-समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
- संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त-शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत-प्रक्रिया।
- समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
- समाचार के विभिन्न स्रोत।
- संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।
- पत्रकारिता से संबंधित लेखन- संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि प्रविधि।
- इलैक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता ।
- प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सजाना।
- पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

- मुक्त प्रेस की अवधारणा।
- लोक-सम्पर्क तथा विज्ञापन।
- प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
- प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रुप में पत्रकारिता का दायित्व।

सहायक पुस्तकें

1. कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचंद्र जैन, लोकोदय ग्रंथ भाषा दिल्ली।
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता ।
3. श्याम सुन्दर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा।
4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन।
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला ।
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिताः इतिहास और स्वरुप ।
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय ।
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धान्त, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धान्त ।
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता ।
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला।
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन ।
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तु, भारतीय प्रसारण माध्यम।
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रानिक मीडिया।
15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक।
16. संजीव भनावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता ।

प्रश्नपत्र - पन्द्रह
विकल्पः एकः सूरदास

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंकों की है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

निर्धारित पुस्तकः 'सूरसागर' संपादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्र.लि. इलाहाबाद।
इस पुस्तक से व्याख्यार्थ निर्धारित पद इस प्रकार है :-
विनय भक्ति 1 से 10 तथा 17 से 24 = 18 पद
गोकुल लीला 1 से 35 = 35 पद
वृन्दावन लीला 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 = 43 पद
उद्‌भव संदेश 116 से 159 = 44 पद

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण-भक्ति मध्ययुगीन कृष्ण भक्तिः सम्प्रदाय एवं सिद्धान्त कृष्ण-भक्ति कावयः विशेषताएं तथा उपलब्धियां सूरदासः व्यक्तित्व तथा कृतित्व सूर-काव्य में लोक संस्कृति सूर-काव्य में मनोविज्ञान कृष्ण-भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान। सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रुपः दास्य, सख्य, प्रेमा आदि । सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन सूरकाव्य का दार्शनिक पक्ष सूरकाव्य में निर्गुण-सगुण द्वन्द्व सूरकाव्य में लीला-तत्व सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि सूर-काव्य में बिम्ब, प्रतीक तथ मिथक सूर की काव्य-भाषाः शब्द सम्पदा, पद-रचना, अलंकार, छन्द आदि । सूर-काव्य में गीति तत्व सूर-काव्य के कूटपद

सहायक पुस्तकें :

1. कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद।
2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर।
3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक-संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाश नई दिल्ली।
6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद।
7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एण्ड संज, दिल्ली।
8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद ।
9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर।
11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रंथ कुटीर, पटना।
14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

प्रश्न पत्र – पन्द्रह
विकल्प–दो – हिन्दी कहानी

समय : तीन घण्टे **कुल अंक : 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंको की है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

0;k[;k d fy, fu/kkfjr dgkuh lxg %
1. मेरी प्रिय कहानियां : अज्ञेय
2. मेरी प्रिय कहानियां : मन्नू भण्डारी
3. प्रतिनिधि कहानियां : भीष्म साहनी

v/;;u d fy, fu/kkfjr ifj{k=
1. dgkuh% Lo#i] fl)kUr rFkk bfrgkl
   1. कहानी का स्वरुपः परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
   2. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा
   3. हिन्दी कहानी के विभिन्न आन्दोलन
   4. समकालीन कहानी : परिचय तथा विशेषताएं

2- vK;] ejh fi; dgkfu;k] jkt iky ,.M l t] fnYyh A
   1. कहानीकार अज्ञेयः सामान्य परिचय
   2. अज्ञेय की कहानियों में सामाजिक संचेतना
   3. अज्ञेय की कहानियों में मनोविज्ञान
   4. अज्ञेय की कहानियों में शिल्प एवं भाषा
   5. निर्धारित संग्रह की किसी कहानी पर प्रश्न

3. eUuw Hk.Mkjh] esjh fiz; dgkfu;k] jktiky ,.M lUt] fnYyhA
   1. कहानीकार मन्नू भण्डारी : सामान्य परिचय
   2. मन्नू भण्डारी की कहानियांः अस्तित्ववादी चेतना
   3. मन्नू भण्डारी की कहानियों में मनोविज्ञान और बदलता समाज
   4. मन्नू भण्डारी की कहानियां : शिल्प एवं भाषा
   5. निर्धारित संग्रह की किसी कहानी पर प्रश्न

4. Hkh"e lkguh% ifrfuf/k dgkfu;k] jktdey izdk'ku] fnYyhA
   1. कहानीकार भीष्म साहनीः सामान्य परिचय
   2. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
   3. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र
   4. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
   5. निर्धारित संग्रह की किसी कहानी पर प्रश्न

lgk;d iqLrd%

1. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
3. कहानीः स्वरुप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।
8. नयी कहानीः विविध प्रयोग, प. शशिभूषण शीतांशु लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिन्दी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली।
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ।
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर ।
12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी जबानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिन्दी कहानी : पाठ और प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर।
17. बटरोही, कहानीः रचना प्रक्रिय और स्वरुप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्नपत्र - पन्द्रह
विकल्प -तीनः साहित्यिक निबंध लेखन

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

टिप्पणी :

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य परीक्षार्थी की चिन्तन, विश्लेषण तथा अभिव्यक्ति की क्षमता को परखना है। इसमें नीचे दिए गए पांच विषयः क्षेत्रों से दो-दो के आधार पर कुल दस निबंध-शीर्षक दिए जाएंगे, जिनमें से केवल एक पर विस्तृत एवं सुविचारित निबंध लिखना होगा। निबंध लेखन के लिए अंकों का विभाजन निम्न प्रकार होगा, जिसका उल्लेख प्रश्नपत्र में अनिवार्य रुप में किया जाएगा।

निबंध की पृथक रुपरेखा प्रस्तुत करना	10 अंक
निबंध में भूमिका, शीर्षक-उपशीर्षक और उद्धरण देना	10 अंक
निबंध की विषय-वस्तु	45 अंक
भाषा की उपयुक्तता और शुद्धता	10 अंक
निबंध का सम्यक् उपसंहार देना	5 अंक

विषय क्षेत्र-एकः विधाएं तथा वाद

साहित्यिक विधाओं के विकास से संबंधित

साहित्यिक आन्दोलनात्मक वादों से संबंधित

विषय क्षेत्र-दोः काव्यशास्त्र तथा समालोचना

भारतीय काव्यशास्त्र से सम्बन्धित

हिन्दी समालोचना से सम्बन्धित

विषय क्षेत्र-तीनः साहित्येतिहास

हिन्दी के प्रतिनिधि लेखकों/ग्रंथों से सम्बन्धित

पंजाब के हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित

विषय क्षेत्र – चारः भाषा–विज्ञान तथा हिन्दी–भाषा

भाषा–विज्ञान से सम्बन्धित

हिन्दी–भाषा से सम्बन्धित

देवनागरी लिपि से सम्बन्धित

विषय क्षेत्र–पांचः सामान्य

हिन्दी साहित्य में नारी–भावना से सम्बन्धित

वर्तमान सन्दर्भ में साहित्य और समाज के रिश्ते से सम्बन्धित

सहायक पुस्तकें :

1. गणपति चन्द्र गुप्त, साहित्यिक निबन्ध, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. यश गुलाटी, बृहद् साहित्यिक निबन्ध, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
3. त्रिभुवन सिंह, साहित्यिक निबन्ध, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. देवी शरण रस्तोगी, हिन्दी के साहित्यिक निबन्ध, राजहंस प्रकाशन मंदिर, मेरठ।
5. राजनाथ शर्मा, साहित्यिक निबन्धः विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. कामेश्वर शर्मा, हिन्दी–भाषाः समस्याएं तथा समाधान, पटना।
7. रामविलास शर्मा, हिन्दी–भाषा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - सोलह
मध्यकालीन हिन्दी काव्य

समयः तीन घण्टे कुल अंकः 80

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंकों की है। द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवियों से संबंधित प्रश्न इसी भाग में पूछे जाएगें।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

पाठ्य विषयः

निर्धारित पाठ्य पुस्तक 'काव्यमंजूषा' सं. प्रो. सुधा जितेन्द्र, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली , 2014

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित तीन कविः

1. तुलसीदास
2. मीराबाई
3. बिहारी लाल

द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित निर्धारित कवियों पर केवल सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

गुरु गोबिन्द सिंह , भूषण ।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

1. **तुलसीदास और उनका काव्यः परिचय और विशेषताएं**

तुलसी की समन्वय भावना व लोकनायकत्व

तुलसी की भक्ति-भावना

तुलसी के दार्शनिक सिद्धान्त

रामचरितमानस का साहित्यिक मूल्यांकन

विनय पत्रिकाः मूल प्रतिपाद्य और शिल्प

कवितावलीः मूल प्रतिपाद्य

2. **मीरा बाई और उनका काव्य : परिचय और विशेषताएं**

मीरा बाई के काव्य के दार्शनिक सिद्धान्त

मीरा बाई के काव्य में भक्ति का स्वरुप

मीरा बाई की वाणी का काव्य सौष्ठव

हिन्दी कृष्ण काव्यपरंपरा में मीरा बाई का स्थान

3. **बिहारी और उनका काव्यः परिचय और विशेषताएं**

सतसई परम्परा और बिहारी सतसई

बिहारी सतसईः मूल प्रतिपाद्य

बिहारी सतसईः भक्ति, नीति और श्रृंगार का समन्वय

बिहारी की अर्थवत्ता

बिहारी सतसईः काव्य शिल्प

सहायक पुस्तकें -

1. उदयभानु सिंह, तुलसी-दर्शन-मीमांसा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
2. राममूर्ति त्रिपाठी, आगम और तुलसी, मैकमिलन, नई दिल्ली।
3. राममूर्ति त्रिपाठी, तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद।
4. बलदेव प्रसाद मिश्र, तुलसी दर्शन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
5. रामप्रसाद मिश्र, तुलसी के अध्ययन की नई दिशाएं, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
6. रमेश कुंतल मेघ, तुलसी आधुनिक वातायन से, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. रामनरेश वर्मा, हिन्दी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
8. विष्णु कांत शास्त्री, तुलसी के हिय हेर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हरबंस लाल शर्मा, बिहारी और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
10. उदयभानु हंस, बिहारी की काव्यकला, रीगल बुक, दिल्ली।
11. जयप्रकाश, बिहारी की काव्य - सृष्टि, ऋषि प्रकाशन, कानपुर।
12. डॉ. बच्चन सिंह, बिहारी का नया मूल्यांकन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
13. रवीन्द्र कुमार सिंह, बिहारी सतसईः सांस्कृतिक सामाजिक संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. भगवानदास तिवारी , मीरां की प्रामाणिक पदावली , साहित्य भवन , इलाहाबाद।
15. महावीर सिंह गहलोत , मीरा : जीवनी और साहित्य

प्रश्नपत्र - सत्रह
आधुनिक गद्य साहित्य

समयः तीन घण्टे कुल अंकः 80

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंकों की है। द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवियों से संबंधीत प्रश्न इसी भाग में पूछे जाएगें।

8x6=48

ख) द्रुतपाठ हेतु निर्धारित साहित्यकारों पर, अधिकाधिक केवल दो सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे गें।

ग) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

परीक्षक कृपया इस बात का ध्यान रखें कि व्याख्या अथवा प्रश्न पूछते समय कोई भी रचनाकार एवं रचना ना छूटे।

16x2=32

पाठ्य विषयः

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृत्यिां

1. निबंध विविधा, संपा, हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर।
2. आधे-अधूरे, मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. मेरी आत्मकथा, गांधी, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।

द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित निर्धारित साहित्यकारों पर सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

निबंधकार - प्रतापनारायण मिश्र

नाटककार - भारतेन्दु हरिशचन्द्र

आत्मकथाकार-यशपाल

1. निबंध विविधा-संपा. प्रो. हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर।

अध्ययन के लिए निर्धारित निबंध

कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, लोकमंगल की साधनावस्था, अशोक के फूल, गेहूँ बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का जमाना।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

निबंध विधाः स्वरुप और वैशिष्ट्य, हिन्दी निबंधः विकास यात्रा, उपेक्षित पात्रों का सरोकारः कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, काव्य के लोकमंगल की साधनावस्था में शुक्ल जी द्वारा प्रेषित प्रतिपाद्य, भारतीय संस्कृति इतिहास और जीवन की गाथाः अशोक के फूल निबंध, गेहूं बनाम गुलाबः मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य, सौन्दर्य की उपयोगिताः साहित्य, सौन्दर्य और कला के अन्तः सम्बन्धों का प्रश्न, मेरे राम का मुकुट भीग रहा हैः लेख का प्रतिपाद्य, पगडंडियों का जमानाः आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य। पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की निबंधलेखन सम्बन्धी विशेषताएं।

2. नाटक आधे-अधूरेः मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

विधागत वैशिष्ट्य, हिन्दी नाटकः विकास यात्रा, आधे-अधूरेः मध्यवर्गीय पारिवारिक त्रासदी, आधे-अधूरेपन के विविध आयाम, विचारधारा तथा कथ्य-चेतना, अस्तित्ववादी चेतना, भाषागत उपलब्धियां। नाटक और रंगमंच का रिश्ता-मोहन राकेश की दृष्टि और आधे-अधूरे का आधार। मोहन राकेश की नाट्य भाषा और आधे-अधूरेः नए नाट्य प्रयोग का संदर्भ ।

3. मेरी आत्मकथा, महात्मा गांधी

आत्मकथा : स्वरूप, तत्त्व तथा प्रकार , आत्मकथा कला के आधार पर 'मेरी आत्मकथा' का मूल्यांकन 'मेरी आत्मकथा' के संदर्भ में गांधी जी का व्यक्तित्व विश्लेषण 'मेरी आत्मकथा' सप्रसंग व्याख्या केवल पहले तीन भागों में से पूछी जाएगी।

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी लेखक कोश, प्रकाशक गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2. जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग–सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
3. गोबिन्द चातक, आधुनिक नाटक का मसीहाः मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली।
4. गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. सूर्यनारायण रणसुभे, कहानीकार, कमलेश्वरः संदर्भ और प्रकृति, पंचशील, जयपुर।
6. मधुकर सिंह, कमलेश्वर, शब्दाकार, दिल्ली।
7. संपा. शशिभूषण सिंहल, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के बहुमुखी कृतित्व का सर्वांगीण विवेचन, ऋषभचरण जैन, दिल्ली।
8. लालताप्रसाद सक्सेना 'ललित', निबंधकार रामचन्द्र शुक्ल, निर्मल प्रकाशन, जयपुर।
9. संपा. विद्याधर, रामचन्द्र शुक्ल, व्यक्तित्व और साहित्य दृष्टि, प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. अकाल पुरुष गांधी, जैनेन्द्र, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
11. गांधी और उनके आलोचक, बलराम नंदा, सारंग प्रकाशन, दिल्ली।
12. गांधी दर्शन और विचार, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।

प्रश्नपत्र - अठारह
हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग लघु प्रश्नों का है। इस भाग में बारह प्रश्न होगे जिनमें से निर्देशानुसार आठ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

पाठ्य विषयः

हिन्दी-भाषाः

हिन्दी ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं-वैदिक तथा लौकिक संरकृत का संक्षिप्त परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ-पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश का संक्षिप्त परिचय। आधुनिक भारतीय आर्य-भाषाओं का वर्गीकरण (ग्रियर्सन व सुनीति कुमार चैटर्जी के अनुसार) हिन्दी भाषाः उद्भव और विकास का सामान्य परिचय।

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की बोलियांः स्वरुपगत संक्षिप्त परिचय। हिन्दी का भाषिक स्वरुपः हिन्दी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास। हिन्दी की व्याकरणिक कोटियां-लिंग, वचन, कारक, पुरुष, वाच्य। हिन्दी वाक्य-रचनाः पदक्रम और अन्विति।

भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय, देवनागरी लिपिः स्वरुप, विशेषताएं एवं सीमाएं, संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव।

सहायक पुस्तकें

1. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा की शब्द संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा की संरचनाः वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. डॉ. जाल्मन दीमाशत्श, व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
4. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा का इतिहास, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
5. हरदेव बाहरी, हिन्दीः उद्‌भव, विकास और रुप, किताब महल, इलाहाबाद।
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी, हिन्दी भाषा का विकास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. डॉ. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद।
8. नरेश मिश्र, नागरी लिपि, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
9. डॉ. हरिमोहन, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - उन्नीस
राजभाषा प्रशिक्षण

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग लघु प्रश्नों का है। इस भाग में बारह प्रश्न होगे जिनमें से निर्देशानुसार आठ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

पाठ्य विषयः

- प्रशासन - व्यवस्था और भाषा।
- भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता।
- राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति।
- राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान।
- राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक) राष्ट्रपति के आदेश (1952ए 1955ए 1960) राजभाषा अधिनियम 1963; यथा संशोधित 1967) राजभाषा संकल्प (1968), यथानुमोदित (1961) राजभाषा नियम 1976, द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र। हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी। हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका। हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।
- राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्षः हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार।
- कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या।
- हिन्दी कम्प्यूटीकरण।
- हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण।
- हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली।

- केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।
- बैकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति।
- विधिक क्षेत्र में हिन्दी।
- सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि।
- भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

सहायक पुस्तके

1. सं. हरिबाबू जगन्नाथ, संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद् नई दिल्ली।
2. राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली।
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नई दिल्ली।
4. मलिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दीः विकास के विविध आयाम, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
5. शेरबहादुर झा. संविधान में हिन्दी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ।
6. सम्पा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
7. डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिन्दी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी, दिल्ली।

प्रश्नपत्र - बीस

विकल्पः एक, उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की बाणी का विशेष अध्ययन

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंकों की है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

पाठ्य विषयः

निर्धारित पुस्तकः वाणी गुरु तेग बहादरु जी, प्रकाशकः शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, अमृतसर ।

पाठ्यक्रम का निर्धारित परिक्षेत्र :

गुरु तेगबहादुरः व्यक्तित्व और कृतित्व ,गुरु काव्यधाराः परम्परा और विकास, हिन्दी साहित्य में गुरु तेग बहादुर का स्थान,गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना ,गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन , गुरु तेग बहादुर की वाणी में गुरुमत दर्शन का संकल्प, गुरु तेग बहादुर की वाणी के समाजशास्त्री आयाम , गुरु तेग बहादुर की वाणी और भारतीय संस्कृति, गुरु तेग बहादुर की वाणी में पौराणिक संदर्भ , गुरु तेग बहादुर की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन, गुरु तेग बहादुर की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिन्दी साहित्य पर प्रभाव , गुरु तेग बहादुर की वाणी की राग-योजना , गुरु तेग बहादुर की वाणी की प्रगतिशीलता

सहायक पुस्तकें :

1. नवम् गुरु पर बारह निबंध, संपा. रमेश कुंतल मेघ, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
2. गुरु तेग बहादुरः जीवन और आदर्श डॉ. महीप सिंह, रुप प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला।
4. नौ निध, सम्पादक प्रो. प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. गुरु तेग बहादुर जी दा दार्शनिक चिंतन, कृष्ण गोपाल दास, रुप प्रकाशन, नई दिल्ली ।

प्रश्नपत्र - बीस
विकल्पः दो, हिन्दी उपन्यास

समयः तीन घण्टे कुल अंकः **80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंकों की है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

परीक्षक कृपया इस बात का ध्यान रखें कि व्याख्या अथवा प्रश्न पूछते समय कोई भी रचनाकार एवं रचना ना छूटे।

16x2=32

पाठ्य विषयः

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृत्यिां :

1. बाणभट्ट की आत्मकथाः आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. बूंद और समुद्र, अमृतलाल नागर, इलाहाबाद , किताबमहल ।
3. धरती धन न अपना, जगदीश चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

- उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदीः सामान्य परिचय

  बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना

  बाणभट्ट की आत्मकथाः मूल्य चेतना

  बाणभट्ट की आत्मकथा - प्रमुख चरित्र-बाणभट्ट, निपुणिका भट्टिनी।

- **उपन्यासकार अमृतलाल नागरः सामान्य परिचय**

  बूंद और समुद्र की सामाजिक चेतना

  बूंद और समुद्र की भाषा शैली

  बूंद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन

  बूंद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

- **उपन्यासकार जगदीश चंद्र : सामान्य परिचय**

  'धरती धन न अपना' में जगदीश चंद्र का जीवन दर्शन

  धरती धन न अपना, में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश

  'धरती धन न अपना' कथ्य तथा समस्याएं

  'धरती धन न अपना' कलात्मक पक्ष

सहायक पुस्तकें :

1. आज का हिन्दी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी उपन्यासः एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़।
4. जगदीश चंद्र की उपन्यास यात्रा, डॉ. सुधा जितेन्द्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - बीस
विकल्प-तीन-निबंधकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

समयः तीन घण्टे **कुल अंकः 80**

आवश्यक निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है।

क) प्रथम भाग सप्रसंग व्याख्याओं एवं लघुप्रश्नों का है। यह भाग दो उपशीर्षकों में विभक्त होगा। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत छह में से चार व्याख्याएं और दूसरे उपशीर्षक में छह में से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न एवं व्याख्या छह अंकों की है।

8x6=48

ख) द्वितीय भाग विस्तृत प्रश्नों से सम्बन्धित है। कुल तीन प्रश्नों में से निर्देशानुसार दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

16x2=32

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें :

भाग-एक

1. चिंतामणि, भाग-एकः इंडियन प्रेस, इलाहाबाद (सभी निबंध व्याख्यार्थ निर्धारित है।)
2. चिंतामणि, भाग-दोः सरस्वती मंदिर, वाराणसी (व्याख्यार्थ निबंधः काव्य में अभिव्यंजनावाद)
3. चिंतामणि, भाग-तीनः सम्पा, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली (व्याख्यार्थः अनूदित निबंधों को छोड़कर शेष सभी निबंध)

भाग-दो

1. हिंदी साहित्य और निबंध विधाः विशेषतया आधुनिक काल
2. आचार्य शुक्ल से पूर्व हिन्दी निबंध साहित्यः भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग
3. आचार्य शुक्ल और निबंध विधाः स्थान एवं महत्व
4. शुक्ल जी का निबंध साहित्यः वर्गीकरण तथा सर्वेक्षण
5. आचार्य शुक्ल की मूल्य-दृष्टि
6. आचार्य शुक्ल के निबंध -लेखन का वैशिष्ट्य
7. शुक्ल जी के सैद्धान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधों की विशेषताएं

8. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा।
9. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प-भाषा, शैली, शब्द संरचना, विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग
10. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा

सहायक पुस्तकें:

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और उनका साहित्यः जयचन्द्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
2. आचार्य शुक्ल विचार-कोश, सम्पादक अजित कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. निबंधकार रामचन्द्र शुक्ल, राम लाल सिंह, साहित्य सहयोग, इलाहाबाद।
4. आचार्य शुक्ल कोश, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बहुमुखी कृतित्व का सर्वांगीण विवेचन, संपा. शशिभूषण सिंहल,? ऋषभचरण जैन, दिल्ली।
6. रामचंद्र शुक्ल व्यक्तित्व और साहित्य दृष्टि, संपा. विद्याधर, प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. आचार्य शुक्ल के प्रतिनिधि निबन्ध, पाण्डेय सुधाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. आचार्य शुक्लः रचना और दृष्टि, संपा. विवेकी राय तथा वेद प्रकाश, महेसाना, गिरनार।
9. आचार्य शुक्लः संदर्भ और दृष्टि, जगदीश नारायण पंकज, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या।
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्लः निबन्धकार, आलोचक और रस मीमांसक, जयनाथ नलिन, साहित्य संस्थान, दिल्ली।
11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और उनका साहित्य, जयचन्द्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
12. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिंतामणि का आलोचनात्मक अध्ययन, राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
13. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का गद्य-साहित्य, अशोक सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।